



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्बन्धित पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१०१८ माई २२	१९-१०-२२	५	१-४

• एप्लीकेशन से एक विलक पर मिलेगी नवजात शिशुओं की देखभाल और उनके पोषण संबंधित जानकारी एचएयू के वैज्ञानिकों को शिशुओं के पालन-पोषण के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

भारकर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (इण्डिया) की तरफ से कॉपीराइट प्रदान किया गया है।

एचएयू के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत अवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत से युवा अधिकारकों को अपने बच्चों की देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल एप की तरफ रुख करते हैं। मगां बच्चों की परवारिश से संबंधित अधिकांश एप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों के माता-पिता की जरूरतों के हिसाब से बनाया है।



कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा व अन्य।

जबकि भारतीय बच्चों का विकास, उनका सामग्री भारतीय माता-पिता के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी। कुलपति ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं की प्रशंसा की और कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय अनुसंधान व आविष्कारों की सहायता से किसानों व आमजन के लाभ के लिए निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में ऐसी कई तकनीकों पर पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक काम किया जा रहा है जिन्हें बौद्धिक संपदा के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

यहां मिलेगी शैक्षिक सामग्री

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. मंजु महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में शारीरिक, गत्यात्मक, मानसिक, भाषा, सामाजिक और भावनात्मक विकास के बारे में जानकारी शामिल है। इसके साथ नवजात शिशुओं की देखभाल, उनका पोषण, कपड़े, सामान्य स्वास्थ्य, खिलौने और आम मिथक आदि जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है। इस सामग्री को संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने मूल्यांकन द्वारा प्रमाणित किया है। भविष्य में यह सामग्री एक मोबाइल एप के माध्यम से भारतीय माताओं को उपलब्ध करवाई जाएगी। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल दीगंडा, मीडिया एडवाइजर डॉ. सदीप आर्य, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार व डॉ. पूनम मलिक उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम पटाखा असरी	दिनांक 19-10-22	पृष्ठ संख्या ५	कॉलम ३-५
----------------------------------	--------------------	-------------------	-------------



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा समानता विश्नोई व अन्य।

शिशुओं के पालन पोषण के लिए...

हकूमि को विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

हिसार, 18 अक्टूबर (व्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (इंडिया) द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। माता-पिता में शिशु को देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी शिशु

की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा समानता विश्नोई ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में बच्चों की देखभाल के विधिन पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। इस अवसर पर डॉ. अतुल दीगढ़ा, डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विनोद कुमार उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि इससे पूर्व हकूमि की छात्रा पूनम यादव को भी गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर कॉपीराइट प्रदान किया जा सका है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैरेस भूमि	19-10-22	10	2-5

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के नाम और उपलब्धि

शिशुओं के पोषण के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

माता-पिता ने शिशु की देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी शिशु की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

दृष्टिगूण न्यूज ► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं परिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (इंडिया) द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत से युवा अभिभावकों को अपने बच्चों की देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप की ओर झुक करते हैं। परन्तु बच्चों की परवारिश



हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा समानता बिश्नोई व अन्य।

से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों के माता-पिता की जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है जबकि भारतीय बच्चों का विकास, उनका वातावरण और उनकी जरूरतें विदेशी बच्चों से भिन्न होती हैं। उन्होंने कहा माता-पिता में शिशु की देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी शिशु की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती

है। इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा समानता बिश्नोई ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में बच्चों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय माता-पिता के लिए व्यापक मार्गदर्शिका होगी।

शैक्षिक सामग्री मोबाइल ऐप पर होगी उपलब्ध

मानव संसाधन प्रबन्धन निदेशक एवं गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में शारीरिक, जात्यात्मक, मानसिक, माता-सामाजिक और भवनात्मक विकास के बारे में जानकारी शामिल है। इसके साथ नवजात शिशुओं की देखभाल, उनका पोषण, कृपाएं सामाज्य स्वस्थ, खिलौने और आम भित्तिक आदि जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस सामग्री को संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने मूल्यांकन किया गया है। भविष्य में यह सामग्री एक मोबाइल ऐप के माध्यम से भारतीय माताओं को उपलब्ध करवाई जाएगी। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल ढांबडा, मार्डिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, बौद्धिक सम्पदा अधिकार फ़कैर के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार तथा डॉ. पूनम मलिक उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूतजाता	१९. १०. २२	५	५-५

एचएयू : शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट ✓



सर्टिफिकेट दिखाते एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। संकलन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रर ऑफ कॉपीराइट (ईडिया) द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया है।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की छात्रा समानता विश्नोई ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में बच्चों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं को ज्ञान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। यह सामग्री भारतीय माता-पिता के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी।

मानव संसाधन प्रबन्धन निदेशक एवं गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में

नवजात शिशुओं की देखभाल, पोषण कपड़े, स्वास्थ्य से संबंधित सामग्री मोबाइल एप के माध्यम से दी जाएगी

शारीरिक, मानसिक, भाषा, सामाजिक और भावनात्मक विकास के बारे में जानकारी समिल है। इसके साथ नवजात शिशुओं की देखभाल, उनका पोषण, कपड़े, सामान्य स्वास्थ्य, खिलौने और आम मिथक जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है।

भविष्य में वह सामग्री एक मोबाइल एप के माध्यम से भारतीय माताओं को उपलब्ध करवाई जाएगी। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अनुल ढींगड़ा, मौंडिया एडवाइजर डॉ. संदीप अर्थ, और्दुक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार व डॉ. पूनम मलिक मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरूक			

विज्ञानियों को शिशुओं के पालन पोषण के लिए मिला कापीराइट

जागरण संवदाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक आवयन विभाग में शिशुओं की मातृत्व के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्टर आफ कापीराइट (इंडिया) द्वारा कापीराइट प्रदान किया गया है। कूलपति प्रो. बीआर काम्होज ने बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री को बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत से युवा अभिभावकों को अपने बच्चों को देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल एप की ओर रुख करते हैं। मगर बच्चों की परवरिश से संबंधित अधिकांश एप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों के मातृपिता की ज़रूरतों के हिसाब से बनाया गया है जबकि भारतीय बच्चों का विकास, उनका जातावरण और उनकी ज़रूरतें विदेशी बच्चों से भिन्न होती हैं। डा. मंजू महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में शारीरिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास के बारे में जानकारी शामिल है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीट समाचार	19-10-22	6	३५

हृषि के कैडनिकों द्वारा शिशुओं के पालन पोषण हेतु विकसित शैक्षणिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा समाजता विश्वोई व अब्दा।

हिसार, 18 अक्टूबर (विरोद खर्च): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षणिक सामग्री पर रजिस्ट्रर ऑफ कॉपीराइट (हिंदूया) द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि अनेक समय में इस प्रकार की शैक्षणिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त

परिवार तेजी से बढ़ता होता जा रहा है। परिणामस्वरूप बहुत से युवा अभिभावकों को अपने बच्चों की देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे भवद्द के लिए इंटरनेट और मोबाइल हेप की ओर रुख करते हैं। परन्तु बच्चों की परवरिश में संबंधित अधिकांश ऐप डिजेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों के माता-पिता की जल्दतों के हिताव से बनाया गया है जबकि भारतीय बच्चों का विकास, उनका वातावरण और उनकी जल्दतें विदेशी बच्चों से भिन्न होती हैं। उन्होंने

कहा माता-पिता में शिशु को देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी शिशु की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कठोर को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा समाजता विश्वोई ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में बच्चों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं को व्यायाम में लाने हुए यह शैक्षणिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय माता-पिता के लिए एक व्यापक मार्गदर्शक होगी।

कुलपति ने इस शैक्षणिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं को प्रश়ংসा की और इस कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय अनुसंधान व अविकारों की सहायता से किसानों व आमजन के लाभ के लिए निरंतर प्रयत्नमर्त है। विश्वविद्यालय ने ऐसी कई तकनीकों पर काम किया जा रहा है जिन्हे बौद्धिक संपदा के रूप में स्वापित किया जा सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
यूनिट इलेक्ट्रॉनिक्स	१९-१०-२२	३	३-४

शिशुओं के पालन पोषण की शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

हिसार, १८ अक्टूबर (विजा)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (इण्डिया) द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने यह जानकारी देते

हुए बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है, क्योंकि संयुक्त परिवार तंत्र से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत से युवा अभिभावकों को अपने बच्चों को देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप की ओर रुख करते हैं, परन्तु बच्चों की परवरिश से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पात्र का नाम	19.10.22	----	----

हृषि वैज्ञानिकों ने शिशुओं के पालन पोषण के लिए विकसित की शैक्षिक सामग्री, मिला कॉपीराइट

पात्र का नाम



हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के भावत विकास एवं पर्यावरण अनुसंधान विभाग में शिशुओं की मातृत्व के लिए विकसित ऐक्षिक सामग्री पर संशोधन अधिक कॉर्पोरेशन (इण्डिया) द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय के कृतकों द्वारा जारी नेटवर्क द्वारा बाहर कि आज के समय में इस प्रकार की ऐक्षिक सामग्री की बहुत अतिक्रमण है। कठोर संशोधन विवाह तंत्री से खल लेते जा रहे हैं। ऐक्षिक सम्बन्ध बात में युवा अधिकारकों जो अपने बच्चों को दृश्याल स्वयं बताने पड़ती हैं। ऐसे में वे महार के लिए हटनेट और मोबाइल ऐप की ओर झुक करते हैं। परन्तु बच्चों की परालील से संबंधित अधिकारों एवं

अंगेंजी भाषा में हैं और इन्हें योग्यतावानों द्वारा के

बच्चों में भिन्न होती है। इन्होंने कहा मातृ-विभाग में शिशु वर्ग देशभूमि संकेती हून जी यह है जबकि भालौय बच्चों का विकास कम्हे शिशु का बुद्ध और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव दूसर सहाती है। इस कार्यों को पूरा करने

के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग

की

शिशु सम्बन्धित विभागों ने डॉ. पूर्ण महत ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में शैक्षिक के मार्गदर्शन में बच्चों की देशभूमि सारीरिक, गत्यालय, पानविक, भाषा, सामाजिक और भावनालय विकास के बारे का शैक्षिक सामग्री उपर की है। उन्होंने कहा मैं जानकारी समिल है। इसके साथ नवजात शिशुओं की देशभूमि, उनका पोषण, कपड़े, सामान आदि विभिन्न विभागों और आन विभक्त आई। ऐसे विभागों को समर्पित किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस सामग्री को संरक्षित केत्र के विभाग विशेषज्ञों ने मूल्यांकन द्वारा प्रमाणित किया है। भविष्य में यह सामग्री एक सीधारूप ऐप के माध्यम से भालौय मालाओं को उपलब्ध करवाई जाएगी।

इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अमृत द्वारा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, ऐक्षिक संसदीय अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद बुमराह व डॉ. पूर्ण विकास उपर्युक्त थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मेलन पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
निवारण २०२२	18.10.22	----	----

तेजी से खत्म होते जा रहे हैं संयुक्त परिवार : प्रो. कान्धोज

हकृति के वैज्ञानिकों द्वारा
शिशुओं के पालन पोषण के
लिए विकसित शैक्षिक
सामग्री पर निला कॉर्पोरेइट

सिरगढ़ टाइम्स न्यूज़

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अभ्यासन विभाग में शिशुओं की मताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार और कॉर्पोरेइट (इण्डिया) द्वारा कॉर्पोरेइट प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कूलपति प्रो. चौ. आर. कामोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आज के समय में हम प्रकार जो शैक्षिक सामग्री को बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिवारस्थापन बहुत से युवा अधिकारियों को अपने बच्चों को



देखभाल स्वर्य करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त के लिए इंटरनेट और मोबाइल एप की ओर विभाग की छात्रा समाजता विद्यार्थी ने डॉ. पूर्णम कर्त्ता है। परन्तु बच्चों की परवरिश में भलिक के पार्श्वदर्शन में बच्चों को देखभाल के संबंधित अधिकांश एप अंदरौं भाषा में हैं और विभाग पहलुओं को ध्वनि में रखते हुए, वह इन्हें पर्याप्त देशों के माता-पिता की ज़रूरतों के शैक्षिक सामग्री देते हैं। उन्होंने कहा यह हिसाब से बनाया गया है जबकि भारतीय बच्चों को सामग्री भारतीय माता-पिता के लिए एक का विकास, उनका वकालतारण और उनकी व्यापक मार्गदर्शिका होगी।

उनकर्ते विदेशी बच्चों से भिन्न होती है। उन्होंने कूलपति ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन कहा माता-पिता में रिशु को देखभाल संबंधी शैक्षकताओं को प्रशंसा की और इस कार्य को जान की कमी शिशु की खुद और विकास पर जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रतिकूल प्रभाव छाल सकती है। इस कमी को कठा विश्वविद्यालय अनुसंधान व अधिकारी

की सहायता से किसानों व आमजन के सामने के लिए निरंतर प्रयत्नसंतत है। विश्वविद्यालय में ऐसी कई तकनीकों पर काम किया जा रहा है जिनके वैदिक संपदा के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

शैक्षिक सामग्री भोवाइल एप पर होगी उपलब्ध : यानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं शुहै विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. मंजु महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में शारीरिक, गत्याल्पक, मानसिक, भाषा, सामाजिक और भावनाल्पक विकास के बारे में जानकारी शामिल है। इसके साथ वह ज्ञानशुद्धि की देखभाल, उनका पोषण, कपड़े, मापानन स्वास्थ्य, विज्ञाने वाले आम प्रकार आपि अपि वैसे विषयों को सम्पादित किया गया है।

इस अवसर पर विसेष कार्य अधिकारी डॉ. अमूल द्वारा, भौदिया एडवाइजर डॉ. संदीप गांधी, वैदिक संपदा अधिकारी इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार व डॉ. पूर्णम मौलिक उपसंचालक हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
14-पुस्तक सभान्यांग	18.10.22	----	----

| हिसार: शिशुओं के पालन पोषण के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

18 Oct 2022 19:04:46



18
हिसार
सभान्यांग

18
हिसार
सभान्यांग

18
हिसार
सभान्यांग

हिसार, 18 अक्टूबर (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के ज्ञानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग द्वे शिशुओं के जाताजी के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर रजिस्ट्रार औफ कॉपीराइट (इडिया) की ओर से कॉपीराइट प्रदान किया गया है।

शिशिविद्यालय के कूलपति धौ. दीपाल कम्बोज ने डंगलपाल को बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है वर्णित संयुक्त परिवार जीवी से बत्स होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत से युवा अधिभावकों को अपने बच्चों की देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे ही वे लद्दाक के लिए इंटरनेट और सोशल एप की ओर रुप्त करते हैं। परन्तु बच्चों की परवरिश से संबंधित अधिकारी ऐप जीवी भाषा में हैं और इन्हें परिवर्ती देखी के ज्ञान-पिता की जरूरती के हिसाब से बताया गया है जबकि मारतीय बच्चों का विकास, उनका बाटावरण और उनकी जरूरती विदेशी बच्चों से फिल्म होती है। उन्होंने कहा ज्ञान-पिता में शिशु की देखभाल संबंधी जाल की कमी शिशु की बढ़ि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

इस कम्जी को पूरा करते के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छाजा समाजता विश्वाई ने डॉ. पूर्ण झिलिक के मानोदर्शन में बच्चों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री मारतीय ज्ञान-पिता के लिए एक उत्तम ज्ञानदर्शक होनी। ज्ञानव संसाधन प्रबोधन विदेशक एवं शृंखला महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. मंजू झहता ने बताया कि इस शैक्षिक सामग्री में शारीरिक, गद्यान्मान, ज्ञानसिक, भाषा, सामाजिक और सायनात्मक विकास के बारे में जानकारी शामिल है। इसके साथ तबजात शिशुओं की देखभाल, उनका पोषण, कपड़े, ज्ञानव स्वास्थ्य, विलोने और आम भित्ति आदि जैसे विषयों को संक्षिप्त रूप से विवरित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस सामग्री को संवर्धित भेज के विभिन्न विशेषज्ञों ने मूल्यांकन द्वारा प्रभावित किया है। अधिक्षम हैं यह सामग्री एक ज्ञानाङ्क एवं के ज्ञानव से ज्ञानतीय ज्ञानाजी को उपलब्ध करवाएं जाएगी। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अदुल दीनगढ़ा, मीडिया एक्युक्यर डॉ. संदीप जाय, बोटिक संपर्क अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार व डॉ. पूर्ण झिलिक उपस्थित रहे।

एन्ट्रूप्लान समाचार/राजेश्वर/संजीव



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पर्स	18.10.22	----	----

शिशुओं के पालन पोषण के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

सिटी पर्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की माताओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर संजिस्ट्रार ऑफ कॉपीराइट (झण्डया) द्वारा कॉपीराइट प्रदान किया गया है।

कुलपति प्रो. बी. आर. कम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खल्त होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा माता-पिता में शिशु की देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी शिशु की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल



कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा समानता विश्वनैर्देश व अल्य

प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा समानता विश्वनैर्देश ने डॉ. पूनम मलिक के माननीय मंत्री की देखभाल के

विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है।

कुलपति ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं की प्रशंसा की और इस कार्य को जारी रखने के

लिए प्रोत्तमाहित किया। इस अवसर पर डॉ. अतुल ढीगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विनोद कुमार व डॉ. पूनम मलिक उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त दैरेयण	18.10.22	----	----

हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा शिशुओं
के पालन पोषण के लिए विकसित
शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

समस्त हरियाणा न्यूज जल्दते विदेशी बच्चों से फिल होती है। उन्होंने शिक्षिक सामग्री बोबाइल ऐप पर होगी हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि कहा माता-पिता में शिशु की देखभाल संबंधी उपलब्ध विभिन्नताओं के भानव विकास एवं ज्ञान की कमी शिशु की वृद्धि और विकास पर भानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं गृह विज्ञान परिचारिक अध्ययन विभाग में शिशुओं की प्रतिकूल प्रभाव छाल मुकाबी है। इस कार्य को मार्गविद्यालय की अधिकारिता द्वारा मंजूर माना जा



मात्राओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर गतिस्थल और कौशिक्षणिक दृष्टियों का ध्वनि विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग को छात्रा समानता विस्तोर्णे ने द्वां पूर्व मलिक के मार्गदर्शन में बच्चों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं को ज्ञान में रखने हुए वह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय मत्ता-पिता के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी। कुलपति ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं की प्रशंसा की और इस कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय अनुसंधान व अधिकारी की सहायता से किसानों व आमजन के लाभ के लिए निरंतर प्रयत्नरत है। विश्वविद्यालय में ऐसी कई लकड़ीकों पर काम किया जा रहा है जिन्हे बौद्धिक संपदा के रूप में स्वाधित किया जा सकता है।